Raj Express (Indore), 7th March 2020, Page-2

आईआईटी इंदौर के शोधकर्ताओं ने की नई विधि विकसित

इंदौर। आईआईटी इंदौर में रसायनशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजय कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में कैटलिसिस ग्रुप की एक टीम शोध स्टूडेंट देबाशीष पांडा, सौम्यदीप पात्रा और महेंद्र अवस्थी ने पॉलीथिन टेरेफ्थेलेट को कार्बन कैप्चर मटेरियल के उपयोग के लिए एक विधि विकसित की है। उन्होंने प्रयोगशाला के एल्यूमीनियम कचरे और पीईटी पानी की बोतलों का इस्तेमाल इस कार्बन कैप्चर मटेरियल को संश्लेषित करने के लिए किया है। उन्होंने संश्लेषित कार्बन कैप्चर मटेरियल का उपयोग (वायुमंडल में प्रमुख ग्रीनहाउस गैस) कैप्चर करने के लिए इस्तेमाल किया है। जहां अधिशोषण के प्रति उच्च दक्षता देखी गई। उन्होंने इस कार्बन कैप्चर मटेरियल को बाजार में उपलब्ध अनुरुप मटेरियल से लगभग एक तिहाई कम लागत में संश्लेषित किया है। यह शोध हाल ही में रासायनिक शिक्षा क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशिल हुआ है।